

गाजन के ह्वाम लडल गजुर मोटिकि रेडान

राजधानी राज-पत्र १९५४

(५)

भाग १ (अ)

प्रपत्र 'अ' ०

हस्ता प्र. ७ (१२५)/५०० व. /१४

नवम्बर, १९५४

चुकि एवम गाज लजल गजुरी में गमासिध गन-भूमि तथा नजर-भूमि में अथवा जग पर सरकार के ओर प्रारंभिक जमिनदारी के प्रकार तथा गाजा की बीज और उनका आभिलक्षण राजधानी वन अधिनियम, १९५१ (१९५३ वा दारवान अधिनियम संख्या १३) की प्राय १२ की उप-प्राय (३) के अधीन जारी की गई विवक्ति के अनुषरान में किया जा चुका है ।

अतः राज नवरोज अधिनियम की प्राय १२ की उप-प्राय (१) के अंतर्गत जमिनदारी के प्रयोग में राज्य सरकार द्वारा पोषित करता है कि कृषि अधिनियम के अध्याय ४ के अनुक्रम, पूर्वोक्त गन-भूमि और नजर-भूमि पर लागू होने जो कि एवप्रकार उचित मान करवाया जावेगा ।

भूमि का विवरण

वन-प्रगट सुमेरा मोयल

क्रमांक	वर्णन	वर्ग	नाम	अनुमानित क्षेत्रफल एकड़ों में	विशेष विवरण
१	२	३	४	५	६
१	राजद्वार		गुजरी	६१.५८	
"	"		भू-पा मुगापली	४१.८८	
"	"		भू-पा बध	१४६.६९	
"	"		संकाय	२१६.४४	
"	"		पावनदोबी	३२.००	
"	"		गुवाबी	१५.५२	
"	"		भरगुला	५५८.५४	
"	"		भुदा नोयरा	३१४.३०	
"	"		गोलीकेड़ा	११६९.१९	
"	"		भुली मोयल	२६४४.४८	
"	"		दिहोला	१४७८.६४	
"	"		खेला	८०५.६४	
"	"		निहागवा	९.८८	
"	"		दावर	४४.७२	
"	"		बांछेरी	६६.३८	
"	"		गठलेड़ा	८४२.८९	
"	"		नरेश लोदी	४१२.८४	
"	"		चाक परेदा	९१.४४	
"	"			कुल योग ८२६१.७४	

परिशिष्ट (अ)

(दीपक कुमार गुप्ता)
उप वन संरक्षक
बारी

वन-प्रगट सुमेरा मोयल. रेन्ज शाखा का सूची सीमा-चिन्ह निम्न प्रकार है: —

क्रमांक	क्षेत्रफल सं. ०	क्षेत्रफल सं. ०	पूर्वो जमीन व कटिबंधों में		दिशा आयागी स्वाम वक सीमा (०) का प्रकार
			जमीन	कटिबंध	
१	२	३	४	५	६
१	✓ १	२	२०	६२	उत्तर-पूर्व (५३°)
२	✓ ५	१	१०	२०	दक्षिण (१७५°)
३	✓ ५	४	१०	६०	दक्षिण-पूर्व-पश्चिम (१०२°)
४	✓ ५	५	१६	६०	दक्षिण (१८०°)

(एम. ए. गेट फारवार्डिंग बीबीएम)